मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 237, मुंबई, सोमवार, 30 नवंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

नोटा को सर्वाधिक वोट मिलने पर नए सिरे से हो चुनाव

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर चुनाव आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में 'नोटा' को सबसे अधिक मत मिलते हैं तो उस क्षेत्र के परिणाम रद्द कर दिए जाएं और नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। यह याचिका भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हवाई हमले का खतरा!

डीआरडीओ ने सेना के लिए तैयार किया एंटी ड्रोन सिस्टम

नई दिल्ली। डिफेंस रिसर्च एंड डिवेपलमेंट ऑगेर्नाइजेशन (DRDO) ने सेनाओं के लिए बेहद जरूरी एंटी ड्रोन्स सिस्टम्स के विकास और उत्पादन की जिम्मेदारी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को सौंपी है। यह भी बताया जा रहा है कि एंटी ड्रोन सिस्टम अब पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा का भी हिस्सा है। आवास के अलावा पोर्टेबल 'ड्रोन किलर' उनके काफिले में भी मौजूद रहेंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पीएम मोदी की सुरक्षा में भी होगी 'ड्रोन किलर' की तैनाती

बड़ा झटका

'कोविडशील्ड' के गंभीर साइड-इफेक्ट का दावा

पांच करोड़ मुआवजा मांगा

संवाददाता

चेन्नई। चेन्नई में हुए कोविडशील्ड वैक्सीन के ट्रायल में हिस्सा लेने वाले एक व्यक्ति ने खुराक लेने के बाद गंभीर साइड इफेक्ट सामने आने की बात कही है। 40 वर्षीय व्यक्ति ने कहा है कि वैक्सीन की खुराक लेने के बाद गंभीर साइड इफेक्ट दिखे हैं, जिसमें वर्चुअल न्यूरोलॉजिकल ब्रेकडाउन जैसी समस्या भी शामिल है। व्यक्ति ने पांच करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। उल्लेखनीय है कि इस वैक्सीन को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने तैयार किया है। व्यक्ति ने सीरम इंस्टीट्यूट और अन्य को भेजे गए एक कानूनी नोटिस में मुआवजे से साथ ट्रायल पर रोक लगाने की मांग भी की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

नौसेना को मिला क्रैश हुए मिग-29 विमान का मलबा

पायलट का सर्च ऑपरेशन जोरों पर

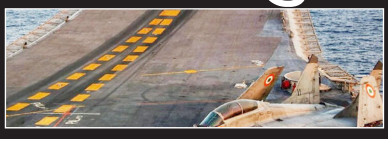

नई दिल्ली। अरब सागर में बीते गुरुवार को क्रैश हुए भारतीय नौसेना के मिग-29के विमान के लापता दूसरे पायलट की तलाश तेज कर दी गई है। हादसे के बाद लापता कमांडर निशांत सिंह का पता लगाने के लिए नौसेना के जहाजों और विमानों की व्यापक तैनाती की गई है। निशांत मिग-29के के उन दो पायलटों में से एक हैं जो 26 नवंबर को गोवा के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। रविवार को विमान का कुछ मलबा लोकेट किया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संक्रमण का दायरा

कुछ ऐसे संक्रामक रोग होते हैं, जिनके दुष्प्रभाव में आने के बावजूद कुछ लोगों को पता नहीं चलता है। कोरोना वायरस के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने 16,000 लोगों के बीच सितंबर में एक सीरोलॉजिकल सर्वे किया था। सर्वे के अनुसार, राज्य में पांच में से एक व्यक्ति के शरीर में कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी को विकसित पाया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य ने बताया कि कुल 16,000 नमूनों में से 3,536 में एंटीबॉडी की मौजूदगी मिली है, तो कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश के 22.1 प्रतिशत लोग कोरोना के दायरे में आ चुके हैं। खास बात यह है कि 4 सितंबर को अधिकतम कोविड-19 मामलों वाले 11 जिलों में ये नमूने एकत्र किए गए थे। प्रत्येक जिले से 1,450 नमूनों को परीक्षण के लिए इकट्ठा किया गया था। ये जिले हैं, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर, कौशांबी, प्रयागराज, मुरादाबाद, गाजियाबाद, बागपत और आगरा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में ऐसे संक्रमण की आशंका चिंता जताती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ प्रदेश में विशेष सावधानी की मांग कर रहे हैं। राज्य सरकार को संक्रमण फैलने से रोकने के लिए जन-जागरूकता अभियान पर ध्यान केंद्रित करना होगा। कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा। मास्क पहनने, नियमित अंतराल पर हाथ धोने और शारीरिक दूरी बनाए रखने की जरूरत बढ़ गई है। सीरो सर्वे के आधार पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि सितंबर महीने में ही उत्तर प्रदेश में मोटे तौर पर कुल 23 करोड़ लोगों में से करीब पांच करोड़ तक कोरोना का असर पहुंच चुका था। यह स्थिति सितंबर महीने की है और नवंबर में संक्रमण की संख्या बढ़ी होगी। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि वायरस के संपर्क में आने वालों की संख्या नवंबर तक कई गुना बढ़ गई होगी। सीरो सर्वे से चिंता इसलिए भी बढ़ जाती है कि दुनिया में पांच करोड़ से अधिक आबादी वाले देशों की संख्या गिनी-चुनी है, जबकि पांच करोड़ से अधिक अकेले उत्तर प्रदेश में संक्रमण के दायरे में आ चुके हैं। वैसे आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 5,35,449 लोग गुरुवार तक संक्रमित हो चुके थे और यहां मरने वालों की संख्या 7,674 पहुंच गई थी। इन दिनों रोज 2,000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। राज्य में अभी संक्रमण के मामले में लखनऊ सबसे आगे है, उसके बाद कानपुर, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ व वाराणसी का स्थान है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य के लिए कोरोना से लड़ाई बहुत अहम है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात की तुलना में उत्तर प्रदेश में चिकित्सा तंत्र पर्याप्त चाक-चौबंद नहीं है। अतः यहां संक्रमण से बचाव सर्वश्रेष्ठ तरीका है। सीरो सर्वे से खतरे का अंदाजा लगता है। आज भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि उन्हें कोरोना नहीं छुएगा, पर सीरो सर्वे संकेत है कि अब तक दस करोड़ लोगों को कोरोना छू गया हो, तो कोई आश्चर्य नहीं। संक्रमित हुए ज्यादातर लोगों को पता भी नहीं चला, तो यह सौभाग्य की बात भले हो, पर खुशी की बात कतई नहीं है। सबकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है और बचाव के उपायों से खिलवाड़ करते हुए अपने शरीर की क्षमता को जोखिम में डालना उदासीनता ही नहीं, समाज के प्रति अपराध भी है।

एक देश, एक चुनाव

संविधान दिवस पर पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से एक बार फिर एक देश, एक चुनाव की आवश्यकता रेखांकित करना इस विषय के महत्व के साथ इसके प्रति उनके संकल्प को भी दर्शाता है। खुद प्रधानमंत्री इसके पहले भी अलग-अलग मंचों पर इस पर जोर दे चुके हैं और भाजपा ने भी इसे समय-समय पर अपनी प्राथमिकता बताया है। देश में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के एक साथ चुनाव को यदि वक्त की जरूरत बताया जा रहा है तो इसके पीछे ठोस कारण हैं। सबसे बड़ा कारण तो बार-बार चुनावों के चलते होने वाली धन और समय की बर्बादी है। एक साथ चुनाव इस अपव्यय को नियंत्रित कर सकते हैं। बार-बार होने वाले चुनाव विकास और जनकल्याण की योजनाओं के साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को भी थामने का काम करते हैं।

चुनाव के संदर्भ में जब आदर्श आचार संहिता की संकल्पना की गई थी तब यह सोचा गया था कि यह व्यवस्था सत्ताधारी दल द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने में मददगार साबित होगी। ऐसा हुआ भी है, लेकिन समय के साथ इस व्यवस्था में ऐसी विसंगति उत्पन्न हो गई है कि चुनाव के समय आदर्श आचार संहिता की आड़ में सब कुछ ठप कर देने की प्रवृत्ति उभर आई है। यह उचित नहीं कि बार-बार होने वाले चुनाव सरकारी तंत्र के हाथ बांधने का भी काम करें और राष्ट्रीय हितों से राजनीति और समाज का ध्यान भटकाने का भी। एक साथ चुनाव की आवश्यकता को इस तथ्य से भी समझा जा सकता है कि हाल में बिहार के चुनाव संपन्न हो जाने के बाद अगले तीन साल में लगभग बीस राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होने हैं। यदि हर चार-पांच महीने में किसी राज्य में चुनाव होंगे तो राजनीतिक दलों का ध्यान तो उन्हीं पर लगा रहेगा। यदि सरकारें भी हर वक्त चुनाव की ही चिंता करती रहेंगी तो विकास और जनकल्याण के कार्य उनकी प्राथमिकता में पीछे जाना तय है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह ठीक नहीं कि सरकारें लगातार चुनाव जीतने की ही चिंता करती नजर आएं। चूंकि वे ऐसा ही करती हैं इसीलिए विकास की दौड़ में भारत की रफ्तार उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए।

एक साथ चुनाव के विचार के पीछे जो तर्क हैं वे देश व राजनीति के हित में हैं, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस पर राजनीतिक सहमति कायम हो सकेगी? यह सहमति इस विषय पर राजनीतिक विमर्श की प्रक्रिया तेज कर हासिल की जा सकती है। विपक्षी दल इस सुझाव के प्रति गंभीर नजर नहीं आते। वे राष्ट्रीय हितों के बजाय अपने संकीर्ण स्वार्थों को महत्व देते प्रतीत हो रहे हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि 1951-52 में पहले आम चुनाव से लेकर 1967 तक लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ ही होते थे और किसी को कोई समस्या नहीं थी। यह संवैधानिक प्रावधानों के दुरुपयोग का परिणाम था कि राज्यों में समय से पहले चुनाव की नौबत आई और एक साथ चुनाव का सिलसिला टूटा। ऐसा मुख्य रूप से उस अनुच्छेद-356 के मनमाने इस्तेमाल के कारण हुआ जिसके तहत केंद्र सरकार को विधि व्यवस्था के नाम पर राज्य सरकारों को बर्खास्त करने की शक्ति दी गई है। यह तथ्य है कि केंद्र की कांग्रेस सरकारों ने अनुच्छेद-356 के प्रावधान का सबसे अधिक दुरुपयोग किया। अनुच्छेद-356 के मनमाने इस्तेमाल के साथ ही राज्य सरकारों के गिरने के अन्य कारण भी रहे, जैसे सत्ताधारी पार्टी में विभाजन अथवा गठबंधन का टूट जाना। ऐसे उदाहरण भी हैं कि पूर्ण बहुमत वाली सरकार का केवल इसलिए पतन हो गया, क्योंकि वह अपने सभी विधायकों को एकजुट नहीं रख सकी। हाल में मध्य प्रदेश में कमल नाथ सरकार का पतन इन्हीं परिस्थितियों में हुआ। स्पष्ट है कि एक साथ चुनाव की दिशा में आगे बढ़ने के लिए यह आवश्यक है कि इन परिस्थितियों पर खुलकर विचार किया जाए। बात केवल राज्यों में सरकारों के समय से पहले गिर जाने की नहीं है। केंद्र में भी सरकार के स्थायित्व का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। हर कोई इससे परिचित है कि राजनीतिक दल अपने फायदे के लिए जनादेश की कैसी मनमानी व्याख्या करते हैं और उसके निरादर में भी संकोच नहीं करते। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी सरकार केवल 13 दिन चल सकी थी, क्योंकि उस समय भाजपा के विरोधी दलों ने जनादेश को स्वीकार करने के स्थान पर घोर नकारात्मकता का परिचय दिया था। वे ऐसा इसलिए कर सके थे, क्योंकि अपने देश में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिससे राजनीतिक दलों के लिए किसी सरकार को गिराने से पहले वैकल्पिक सरकार की रूपरेखा प्रस्तुत करना अनिवार्य हो। राजनीतिक दल ऐसे किसी प्रावधान के लिए शायद ही सहमत हों, क्योंकि इससे उनके लिए सुविधाजनक राजनीति करना कठिन हो जाएगा। इसका प्रमाण यह है कि 1999 में इस विषय पर विधि आयोग ने वाजपेयी सरकार के समक्ष जो रिपोर्ट सौंपी थी उस पर 2018 में सर्वदलीय बैठक हुई और सहमति फिर भी कायम नहीं हो सकी। अगर एक साथ चुनाव के विचार को अपनाया जाना है तो विधि आयोग की सिफारिश के अनुरूप व्यवस्था का निर्माण करना होगा। ऐसे किसी उपाय के जरिये ही सरकारों के सुनिश्चित कार्यकाल के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है। एक साथ चुनाव के विचार का विरोध कर रहे दलों की एक दलील यह भी है कि इससे क्षेत्रीय मुद्दे पीछे रह जाएंगे। इस दलील से सहमत नहीं हुआ जा सकता। एक तो पहले भी एक साथ चुनाव हो चुके हैं और दूसरे, राजनीतिक दलों से तो यह अपेक्षा की जाती है कि वे सुधार के उपायों को बढ़ावा दें, न कि संकीर्णता के दायरे में उलझे रहें। यह ठीक है कि पहले जब एक साथ चुनाव होते थे तब के मुकाबले आज स्थिति भिन्न है।

आपदा में अवसर खोजते नक्काल

कोरोना से आक्रांत पब्लिक ने जमकर आइपीएल देखा। टीवी पर दर्शक संख्या के रिकॉर्ड टूट गए। प्रसारक की झोली भर गई तो जाहिर है उसकी मुस्कान चौड़ी हो गई होगी, परंतु मेरी पेशानी पर बल पड़ गए। आइपीएल के कारोबारी अब दुआ न करने लगें कि हर साल कुछ इसी टाइप का मामला बन जाए। आखिर कोरोना टाइप हालात में आइपीएल अगर धुआंधार कमाई दे गया, तो कोरोना की कामना कोई क्यों न करे। केमिस्ट और अस्पतालों के बाद आइपीएल वाले भी कोरोना के लाभान्वितों में शुमार हो गए। उधर कोरोना का टीका विकसित करने वाले चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि कहीं टीके से पहले ही कोरोना विदा हो गया तो फिर उनके इन्वेस्टमेंट का क्या होगा? हालांकि असली के नाम पर नकली बेचने वालों की बांछें खिली हुई हैं। ऐसे ही एक नकलची ने कहा कि जितनी असली वैक्सीन बिकेगी, उससे कई गुना हम नकली वाली बेचेंगे और लोगों को असली वैक्सीन से होने वाले साइड इफेक्ट की टेंशन भी नहीं लेनी होगी। असल में कोरोना वैक्सीन से जितनी उम्मीद पब्लिक ने नहीं लगा रखी है, उससे ज्यादा नक्कालों ने लगाई हुई हैं। पूरी तैयारियां हैं। इस मुल्क के नक्काल इतने स्मार्ट हैं कि कहीं भाई लोग नकली वैक्सीन ही पहले न उतार दें। कोरोना की वैक्सीनों में किसी में 95 परसेंट रिजल्ट हैं, किसी में 90 परसेंट रिजल्ट हैं। कोरोना की नकली वैक्सीनों में 2900 परसेंट रिजल्ट आएगा, ऐसा मुझे एक नक्काल ने बताया कि 100 का माल 3000 का बिकेगा। विकट आशावादी हैं लोग। कोरोना वायरस अगर सुन रहा हो, तो समझ सकता है कि हर कोई उसका बुरा नहीं सोचता। भारतीयों को समझना आसान नहीं है। कोरोना की चिंता है, पर आइपीएल पर भी ध्यान पूरा दिया। उसके बाद सेलेब्रिटी भी कम नहीं है। अभी एक सेलेब्रिटी को गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया, पर वह भी कोरोना को लेकर चिंतित दिखीं और मास्क लगाकर गिरफ्तार हुईं। गांजा सेहत को नुकसान पहुंचा दे, तो पहुंचा दे, पर कोरोना को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे। गांजे का दम भी मास्क लगाकर ही लगाया जाए और कोरोना चेतना क्या होती है।

मुंबई में अब सब्जी वाले, हॉकर्स, ऑटो चालकों की कोरोना टेस्टिंग पर जोर

संवाददाता

मुंबई। दिवाली के बाद कोरोना संक्रमण पर लगाम लगाने के बाद बीएमसी के स्वास्थ्य विभाग ने रोजाना सामान्य नागरिकों के संपर्क में आने वाले लोगों की टेस्टिंग की प्रक्रिया तेज की है। इसके तहत सब्जी विक्रेता, ऑटो ड्राइवर, बस कंडक्टर, हॉकर्स और सड़कों पर दुकान लगाने वालों का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है। बीते कुछ दिनों में रोजाना सैकड़ों लोगों से मिलने वाले 10 हजार लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया है। जांच में मुंबई के विभिन्न हिस्सों के 150 हॉकर्स, ऑटोचालक और सब्जी विक्रेता कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

सुपर स्प्रेडर बनने का खतरा

लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद बड़े पैमाने पर लोग नौकरी और अन्य कार्यों से बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकल रहे हैं। नतीजतन, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। ऐसे में प्रशासन को डर है कि विभिन्न कारणों से रोजाना कई लोगों के संपर्क में आने वाले लोग कोरोना वायरस का सुपर स्प्रेडर बन जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने बस कंडक्टर, ड्राइवर, ऑटो चालक, सब्जी विक्रेता, हॉकर्स, ऑटो- टैक्सी चालकों के टेस्ट पर विशेष जोर देने का निर्णय लिया है। खतरे को भांपते हुए रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड, बाजारों में कैंप लगा लोगों की जांच की जा रही है। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के अनुसार, दिवाली के बाद देश के कुछ हिस्सों में रोग के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग मुंबई में कोरोना की दूसरी लहर को रोकने में सफल हुआ है। नए मामलों में कमी आ रही है।

कोरोनाः न लोगों में डर, न प्रशासन का नियंत्रणः केंद्र और राज्य सरकार लगातार कोरोना के खतरे से लोगों को आगाह कर रही हैं और वैक्सीन आने तक लोगों को सावधानी बरतने को कह रही हैं, लेकिन वसई-विरार में लोगों की लापरवाही कुछ और ही बयां करती है। जानकारों की मानें तो अनलॉक में लोगों की लापरवाही आने वाले समय में बड़ी समस्या बन सकती है और कोरोना का प्रसार तेजी से हो सकता है। वसई, नालासोपारा, विरार के सब्जी मंडी, मॉल, मार्केट इत्यादि में सोशल डिस्टेंसिंग' पूरी तरह से गायब हो चुका है। अनलॉक के नाम लोग जमकर कोविड नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। तस्वीरों से आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोगों में न तो कोरोना का डर है, न ही प्रशासन का लोगों पर नियंत्रण है।

लिफ्ट दुर्घटना में पांच साल के बच्चे की मौत

मुंबई। मुंबई के धारावी में शनिवार को एक लिफ्ट दुर्घटना में पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहम्मद हुजैफा शेख अपने भाई-बहनों के साथ लिफ्ट में मौजूद था। वह लिफ्ट में लगे लकड़ी के दरवाजे और बाहरी ग्रिल के बीच फंस गया और लिफ्ट ऊपरी मंजिल की ओर बढ़ गयी। इस घटना में उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। अधिकारी ने बताया कि उसे एक निकटतम अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना धारावी के पालवाडी के कोजी शेल्टर इमारत में दोपहर करीब 12 बजकर 30 मिनट पर हुई।

बीजेपी पर बरसे आदित्य ठाकरे, कहा-जिसे हम दोस्त समझते थे, वह दुश्मन समझने लगा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के एक साल पूरे होने पर शिवसेना सुप्रीमो और राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने अपनी पूर्व सहयोगी बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिसे हम दोस्त समझते थे, वह हमें दुश्मन समझने लगा। वह भी तब जब हमने कभी भी किसी से दुश्मनी नहीं की या निजी बदला नहीं लिया। अभिनेता सुशांत राजपूत हत्याकांड में आरोपों के घेरे में आए आदित्य ठाकरे ने कहा कि उन्होंने कभी भी अपनी जिंदगी में इतनी गंदी राजनीति नहीं देखी है, जितनी बीते एक साल में हुई है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि शिवसेना ने कभी भी किसी से दुश्मनी नहीं की है। हमने किसी से कभी भी निजी बदला नहीं लिया है। ना ही कभी किसी के परिवार के बारे में या निजी आरोप लगाए हैं। इस समय समीकरण बदले हुए हैं, जहां हमें विश्वास मिला, जहां हमें दोस्ती का

एक हाथ मिला, जिसे हम दोस्त समझते थे वो हमें दुश्मन समझने लगा है। शिवसेना नेता ने कहा कि जिसें हम विपक्ष समझते थे, वह हमारे साथ दोस्ती में आगे आया और महाराष्ट्र के लिए अच्छा करने लगा। यह एक नया समीकरण बना है। उसे ही हम आगे लेकर जाएंगे। महाराष्ट्र और देश के लिए अच्छा करेंगे। आदित्य ने राज्य सरकार के जल्द गिर जाने के बीजेपी के दावे पर कहा कि विपक्ष के नेता दिन में सपने देख रहे हैं, उन्हें देखने दीजिए। गठबंधन वाली यह सरकार चलेगी ही नहीं बल्कि पांच साल का कार्यकाल भी पूरा करेगी। अभिनेता सुशांत राजपूत और उनकी मैनेजर रह चुकीं दिशा सालियान की मौत के मामले में घिरे आदित्य ने कहा, 'मुझे दर्द हुआ कि महाराष्ट्र की राजनीति का स्तर कभी इतना नीचे नहीं गया था, जितना बीते एक साल में गया है। हर विपक्ष सरकार पर कीचड़ उछालने और उसे बदनाम करने की कोशिश करता रहता है, लेकिन कभी इतनी गंदी राजनीति मैंने जिंदगी में नहीं देखी। न तो महाराष्ट्र में कभी इतनी गंदी राजनीति देखी और न ही किसी अन्य राज्य में।'

(पृष्ठ 1 का शेष)

सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि रद्द हुए चुनाव के उम्मीदवारों को नए चुनाव में भाग लेने की अनुमति न दी जाए। अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे के जरिए सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका में कहा गया है कि न्यायालय यह घोषणा कर सकता है कि यदि 'इनमें से कोई नहीं' विकल्प (नोटा) को सबसे ज्यादा मत मिलते हैं, तो उस निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को रद्द कर दिया जाएगा और छह महीने के भीतर नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे। इसके अलावा रद्द चुनाव के उम्मीदवारों को नए चुनाव में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस याचिका में कहा गया है कि कई बार राजनीतिक दल मतदाताओं से मशवरा किए बिना ही अलोकतांत्रिक तरीके से उम्मीदवारों का चयन करते हैं। इसीलिए कई बार निर्वाचन क्षेत्र के लोग पेश किए गए उम्मीदवारों से पूरी तरह असंतुष्ट होते हैं। याचिका में कहा गया है कि अगर सबसे अधिक मत नोटा को मिलते हैं तो इस समस्या का हल नए चुनाव आयोजित कर किया जा सकता है। नोटा को सर्वाधित वोट मिलने का अर्थ है कि मतदाता प्रत्याशियों से संतुष्ट नहीं है।

हवाई हमले का खतरा!

2020 की शुरूआत से ही ड्रोन खतरे को देखते हुए इसे आवश्यक बना दिया गया है। पाकिस्तानी आतंकवादी लाइन ऑफ कंट्रोल और इंटरनेशनल बॉर्डर के पार जम्मू-कश्मीर में हथियार भेजने के लिए चाइनीज निर्मित कॉमर्शल ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। डीआरडीओ ने पैसिव और एक्टिव एंटी ड्रोन टेक्नॉलजी विकसित की है जिससे दुश्मन के ड्रोन्स को निष्क्रिय किया जा सकता है या फिर ध्वस्त किया जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, डीआरडीओ चीफ सतीश रेड्डी जल्द ही देसी एंटी ड्रोन्स सिस्टम के उत्पादन को लेकर सेनाओं को सूचित करेंगे। इस साल गणतंत्रता दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर तैनात किए गए एंटी ड्रोन सिस्टम्स का रेंज 2-3 किलोमीटर तक का है। इसका रडार ड्रोन को ढूंढने के साथ फ्रीक्वेंसी सिग्नल के जरिए यूएवी को जैम कर देता है। दूसरा विकसित विकल्प ड्रोन को स्पॉट करने के बाद लेजर बीम से टारगेट करने का है। 2019 के बाद से पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कई बार ड्रोन उड़ाकर ड्रग और हथियार पहुंचाने की कोशिश की है ताकि राज्य में आतंक को दोबारा जिंदा कर सकें।

बड़ा झटका...

व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि संभावित वैक्सीन सुरक्षित नहीं है। इसके साथ ही उसने वैक्सीन की जांच, उत्पादन और वितरण को रद्द करने की मांग भी की है। यह नोटिस बता दें कि इस वैक्सीन का भारत में ट्रायल पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया करवा रही है। सीरम इंस्टीट्यूट के साथ यह नोटिस आईसीएमआर और श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन रिसर्च को भी भेजा गया है। व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि वैक्सीन की खुराक लेने के बाद उसे दिमाग को प्रभावित करने वाली समस्या एक्यूट एंसेफेलोपैथी का सामना करना पड़ा। व्यक्ति का कहना है कि सभी जांचों से यह साफ हो गया है कि उसके स्वास्थ्य में आई समस्याओं का कारण वैक्सीन ही है। नोटिस में कहा गया है कि वैक्सीन लेने के बाद व्यक्ति ट्रॉमा में चला गया, जिससे साफ होता है कि वैक्सीन सुरक्षित नहीं है और सभी हिस्सेदार उन प्रभावों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं जो उक्त व्यक्ति पर दिखे हैं।

नौसेना को मिला क्रैश हुए मिग-29 विमान का मलबा

तलाशी के दौरान लैंडिंग गियर, टबोर्चार्जर, फ्यूल टैंक इंजन और विंग इंजन काउलिंग सागर में देखे गए। नौ युद्धपोतों और 14 विमानों के अलावा भारतीय नौसेना के तेज इंटरसेप्टर को तट के साथ पानी में भी खोज के लिए तैनात किया गया है। मरीन/कोस्टल पुलिस भी तलाश में है और आसपास के मछली पकड़ने वाले गांव खंगाले जा रहे हैं। गौरतलब है कि मिग-29के ट्रेनर विमान गुरुवार शाम करीब 5 बजे अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार पायलटों में से एक को बचा लिया गया था जबकि कमांडर निशांत सिंह का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

जय हिंद कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने अपने 'सायलेंट सैटरडे' नामक प्रसंग के इस महीने के आखरी हफ़्ते उठाया सुरक्षा का मुद्दा

मुंबई। मुंबई में स्थित, जय हिंद कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने अपने 'सायलेंट सैटरडे' नामक प्रसंग के तीन हफ़्ते सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के बाद इस महीने के आखरी हफ़्ते उन्होंने सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने पिछले तीन हफ़्ते सेहत, शिक्षा और भूख पर काम किया और अब समय था लोगों की सुरक्षित रहने मे मदत करने का। तो यह सोच लेकर शुरू हुआ 'सायलेंट सैटरडेज' का चौथ और आखरी सप्ताह। उन्होंने इस हफ्ते, सुरक्षा को ध्यान मे रखते, सैनिटरी नैपकिन, मच्छर भगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वली कोइल, मोजे, रुमाल और पुराने कपड़ों का दान किया। यह सारी चीजे दान देकर, इस हफ्ते इन्होंने लोगों की सुरक्षा की ओर एक कदम रखा। इस आखरी हफ्ते के शनिवार को सुरक्षा संबंधित क्रिया बच्चों को करायी गयी, जैसे, ट्रैफिक सिग्नल पार करते समय लाल, पीली और हरी बत्तियों को कैसे ध्यान मे रखना चाहिए। क्लब के सदस्यों ने बच्चों के साथ कुछ खेल भी खेले और उनके साथ नाचे भी। हर हफ्ते की तरह इस हफ्ते भी उन्होने उनको एक समय का भोजन दिया। यह सब के बाद, हर एक बच्चे के घर में कंबल दान किये ताकी सर्दी के मौसम मे वे ठंड से बचे रहे। फिर एन.गी.ओ से निकलने के बाद, क्लब सदस्य- उर्वी गाँधी, जान्हवी, पार्थ, रौनित और सानिया ने चाँदीवली में एक महिला क्षेत्र मे 700 सानीटरी नपकीन का दान किया। इसी के साथ 'सायलेंट सैटरडेज' प्रसंग का आखरी सप्ताह संपन्न हुआ।

स्टेशनों पर होगी कुल्हड़ की वापसी

'प्लास्टिक कप की जगह एनवायरमेंट फ्रेंडली कुल्हड़ों में मिलेगी चाय, सरकार ने शुरू की तैयारी'

जयपुर। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि जल्द ही देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर एनवायरमेंट फ्रेंडली कुल्हड़ों (मिट्टी के कप) में चाय मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। रेल मंत्री राजस्थान के अलवर में उत्तर-पश्चिम रेलवे के अंतर्गत इलेक्ट्रिफाइड ढिगवाड़ा-बांदीकुई सेक्शन के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। रेल मंत्री ने कहा कि देश को प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए सरकार कई अभियान चला रही है। ऐसे में रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ के इस्तेमाल से इसे और मजबूती मिलेगी। रेलवे इसके माध्यम से प्लास्टिक फ्री इंडिया अभियान में योगदान देना चाहता है।

पर्यावरण संरक्षण और रोजगार के लिए जरूरी: उन्होंने कहा कि देश में इस वक्त करीब 400 रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ में चाय बेची जा रही है। भविष्य में हमारी योजना इसे पूरे देश में फैलाने पर है। हम इस दिशा में काम रहे हैं, जिससे आने वाले समय में रेलवे स्टेशनों पर सिर्फ कुल्हड़ में ही चाय बेची जा सकेगी। उन्होंने कहा कि कुल्हड़ से पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है। साथ ही लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बनते हैं।

प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन किया तो रद्द होगा वाहन का रजिस्ट्रेशन

जनवरी 2021 से लागू हो सकता है नया नियम

संवाददाता

नई दिल्ली। यदि आपका वाहन ज्यादा प्रदूषण फैलाता है तो अगले साल से यह आपके लिए मुसीबत पैदा कर सकता है। सरकार अगले साल से प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की योजना बना रही है। इसके लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी करके सभी हितधारकों से आपत्ति और सुझाव मांगे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक, दो महीने बाद

प्रदूषण की जांच प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी। इसके बाद प्रदूषण जांच केंद्र, प्रदूषण प्रमाण पत्र, वाहन मालिक और वाहनों की जानकारी राष्ट्रीय मोटर वाहन रजिस्टर में उपलब्ध होगी। इससे कोई भी फर्जी प्रदूषण प्रमाण पत्र हासिल नहीं कर सकेगा। नए नियमों के तहत वाहन की सर्विस या मरम्मत के बाद हर बार प्रदूषण की जांच करानी होगी। मोटर वाहन इंस्पेक्टर इलेक्ट्रॉनिक या लिखित रूप में प्रदूषण की जांच के लिए आदेश देगा। इसके सात दिन बाद पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) सर्टिफिकेट लेना होगा। यदि ऐसा नहीं होता है तो वाहन का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाएगा।

प्रदूषण जांच केंद्र पर नहीं हो सकेगी हेराफेरी: नई ऑनलाइन व्यवस्था में प्रदूषण की जांच के समय वाहन मालिक का मोबाइल नंबर डाटाबेस में एंटर किया जाएगा। इसके बाद वाहन मालिक के पास एक ओटीपी आएगा। कंप्यूटर में ओटीपी दर्ज करने के बाद ही प्रदूषण जांच फॉर्म खुलेगा। तय मानक से अधिक उत्सर्जन होने पर कंप्यूटर से रिजेक्ट की पर्ची निकलेगी। इस प्रकार प्रदूषण जांच केंद्र पर कोई हेराफेरी नहीं हो सकेगी।

देवेंद्र फडणवीस के करीबी नेताओं को घेरने में जुटी महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार

मुंबई। गैर बीजेपी नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद चर्चा है कि राज्य की महा विकास आघाडी सरकार ने भी राज्य में बीजेपी नेताओं, खासकर देवेंद्र फडणवीस के करीबी नेताओं को घेरना शुरू कर दिया है। जलगांव की एक को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के तथाकथित घोटाले के मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के राइट हैंड समझे जाने वाले पूर्व मंत्री गिरीश महाजन के करीबी लोगों पर पिछले दिनों महाराष्ट्र पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने छापामारी की है। बीजेपी से एनसीपी में गए राज्य के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे इस तथाकथित घोटाले को लेकर एक-दो दिन में बड़ा खुलासा करने जा रहे हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से कहा कि अभी इस मामले की जांच ईओडब्ल्यू में चल रही है। एक बार यह प्रक्रिया हो जाए, फिर वह एक-दो दिन में सबूतों के साथ इस पूरे घोटाले का पदार्फाश करेंगे। भाईचंद हीराचंद रायसोनी (बीएचआर) मल्टिस्टेट को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी संस्था में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर गिरीश महाजन के करीबी व्यवसायी सुनील झंवर के जलगांव स्थित ठिकानों पर छापेमारी की गई है। बीएचआर से संबंधित पांच ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की पुणे टीम के 135 अधिकारियों के दस्ते ने एकसाथ छापामारी की।

मास्क न लगानेवालों से बीएमसी की गांधीगीरी, जुर्माना तो होगा पर मास्क मिलेगा

मुंबई। बीएमसी कोरोना वायरस को काबू में करने के लिए अब गांधीगीरी करेगी। वह बिना मास्क लगाए घूमनेवाले लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ उन्हें मुफ्त में मास्क भी देगी, ताकि वे लोग हर हाल में मास्क पहनें। बीएमसी ने यह फैसला तब लिया है, जब उसे लगा कि 200 रुपये का जुर्माना भरने के बाद भी लोग बिना मास्क के ही आगे बढ़ जाते हैं। इससे मास्क की अनिवार्यता का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा था। मुंबई में बिना मास्क के 4.85 लाख से ज्यादा लोगों को पकड़ा जा चुका है। उनसे बीएमसी 10.70 करोड़ रुपये से अधिक जुर्माना वसूल चुकी है। फिर भी यहां रोज करीब 12 हजार लोग बिना मास्क के पकड़े जाते हैं और जुमार्ना भरते हैं। बता दें कि मुंबई में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने बिना मास्कवालों और गलत तरीके से मास्क लगानेवालों पर 200 रुपये जुर्माना लगाने का आदेश दिया था। सभी 24 वॉर्डों से जोरदार मुहिम चलाने को कहा गया था। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया, पिछले दिनों कमिश्नर चहल के साथ बैठक में अधिकारियों ने बिना मास्क के पकड़े गए लोगों को मुफ्त में मास्क देने का सुझाव दिया था। इस पर सहमति बनी। बीएमसी अब इस अभियान को मुंबई में शुरू करेगी। फ्री मास्क देने का उल्लेख जुमार्ने की रसीद पर होगा। अब तक बीएमसी बिना मास्कवालों को जुर्माना लेकर छोड़ देती थी।

बुलढाणा हलचल

दांत साफ करते समय पेट में गई सेफ्टी पिन शस्त्रक्रियेद्वारा बाहेर निकाली, डॉ. योगेश गोडें का सफल ऑपरेशन

बुलडाणा। किसी चीज से दांतों को करना कितना महंगा हो सकता है। 29 नवंबरः नंदुरा तालुका के शेम्बा की एक महिला ने अनुभव किया। यह महिला सेफ्टी पिन से अपने दांत साफ कर रही थी। दांत साफ कोरते कोरते गले के रास्ते से सीधे अन्ननलिकेत में चला गई। इस खुले पिन को खींचना बेहद मुश्किल उतना ही खतरनाक था।क्योंकि अगर पिन पर खींचते समय बहुत ही नाजुक घुटकी को चीरता है या घायल कर दता था, लेकिन बड़ी कुशलता और निपुणता के साथ, प्रसिद्ध जनरल सर्जन डॉ. योगेश गोड़े ईन्होने टेलिस्कोप के जरिए पिन को ग्रासनली से बाहर निकाला। घुटकी बिल्कुल भी खराब नहीं हुवी। अक्सर ऐसी सर्जरी में ट्यूब की चोट का खतरा होता है। लेकिन डॉ. योगेश गोडे ने सुरक्षित तरीके से ऑपरेशन किया। दो दिन पहले बस स्टैंड के पास डॉ. सफल सर्जरी गोड अस्पताल में की गई। इस तरह की विभिन्न सर्जरी से पहले भी, डॉ. योगेश गोड़ द्वारा किया गया। घेघा में फंसी 'सुरक्षा' पिन महिला के लिए 'खतरनाक' थी। लेकिन इस कठिन और नाजुक सर्जरी के सफल होने के बाद, महिला और उसके रिश्तेदारों ने राहत की सांस ली। महिला के रिश्तेदारों ने कहा कि डॉ. योगेश गोड़, डॉ. श्रीमती स्मितताई गोड़े और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ. विजय पाटिल का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने उन्हें बधाई भी दी।

फिर बढ़ता जा रहा कोरोना का प्रमाण, जिले में मिले 121 नए मरीज, 91 को मिली छुट्टी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले में कोरोना का प्रमाण अब फिर से दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। ईतवार को फिर आंकड़ा सौ के पार रहा और 121 नए मरीज सामने आए।इसके चलते अब कुल कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 11206 तक पहुंच गया है। वहीं 91 मरीजों के स्वस्थ होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आज स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियमत जारी बुलेटिन के मुताबिक 1233 लोगों की जांच रिपोर्ट मे से 1133 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जबकि 121 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। आज ज़िले मे सफल उपचार के बाद 91 लोग घर लौट गए है। प्राप्त सकारात्मक रिर्पोटो में प्रयोगशाला

से 119 रिपोर्ट और रैपिड टेस्ट से 2 रिपोर्ट शामिल हैं। नकारात्मक रिपोर्ट में 1009 प्रयोगशाला रिपोर्ट और 103 रैपिड टेस्ट रिपोर्ट शामिल हैं। इस प्रकार 1112 रिपोर्ट नकारात्मक थे। साथ ही आज तक 74233 रिपोर्ट निगेटिव आई हैं।इसी प्रकार अब तक 10694 कोरोना संक्रमित रोगियों को चिकित्सीय प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दी गई है क्योंकि वे कोरोना नकारात्मक हैं। इस तरह से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की कुल संख्या 10694 है। साथ ही कोविड परीक्षण के लिए 2389 स्वाब नमूने प्रतिक्षा मे हैं। अब तक, नकारात्मक रिपोर्ट की कुल संख्या 74333 है। जिले में आज कुल 11206 कोरोना प्रभावित रोगी हैं, जिनमें से 10694 कोरोना संक्रमित रोगियों को चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दे दी गई है क्योंकि उन्होंने कोरोना पर काबू पा लिया है। जिले में फिलहाल अस्पताल 378 कोरोना संक्रमित रोगियों का इलाज कर रहा है। डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते ने कहा कि अब तक 134 कोरोना पीड़ितों की मौत हो चुकी है।

दबंगों ने पत्रकार सहित दो लोगों को मौत के घाट उतारा

अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिएः इरा

अल्ताफ हूसैन, जिला अध्यक्ष इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बलरामपुर/लखनऊ। सरेआम पत्रकार राकेश सिंह के घर में दबंगों द्वारा लगाई गई आग से हुई मौतों पर 'इरा राष्ट्रीय महासचिव जहांगीर' ओर राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन और 'इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन' (ईरा) राजस्थान, 'इरा बीकानेर जिला अध्यक्ष अल्ताफ हूसैन' ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इस घटना की कड़ी भर्त्सना और निंदा की है! वही पत्रकारों का कहना है कि सरकार जहां एक तरफ पत्रकारों की सुरक्षा और उनके सम्मान की बात करती है, वही पत्रकारों की आवाज को दबाने के लिए दबंगों द्वारा आए दिन हमले और हत्याएं हो रही हैं। सरकार

को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए! इस घटनाक्रम में अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और पीड़ित परिवार में लगाई गई आग से हुई क्षति और अकारण हुई पत्रकार की मौत पर, परिवार के आर्थिक संयोजन पर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। पूर्व में पत्रकार राकेश सिंह द्वारा जिलाधिकारी से लेकर तमाम अधिकारियों से अपनी हत्या किए जाने की आशंका जताई थी और लिखित जानकारी भी दी थी उसके बावजूद जनपद में तैनात अधिकारियों ने पत्रकार की कोई मदद नहीं की इस बात की भी स्पष्ट जांच की जानी चाहिए और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

(दिवंगत आत्मा को हम सभी की विनम्र श्रद्धांजलि)

दूल्हे ने शादी में नहीं लगाया मास्क कटा 4 हजार रुपए का चालान

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

जयपुर। शहनाई की गूंज देवउठनी एकादशी से शुरू हो गई, लेकिन कोरोना की वजह से अब शादियों की रौनक फिकी नजर आ रही हैं। अब शादी समारोह में कोरोना की वजह से मेहमानों की संख्या राज्य सरकार ने तय कर दी हैं। साथ ही शादी समारोह में कोरोना गाइडलाइन का पालन करना होगा। शादी समारोह की ऑनलाइन सूचना देनी होगा पहले की

शादियों की अलग बात थी, लेकिन जब महामारी का दौर चल रहा है, तो शादी समारोह में सावधानियां भी जरूरी हैं। सरकार की ओर से शादी समारोह में कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर जुमार्ना तय किया गया हैं। अब शहनाई की गूंज में प्रशासन की कार्रवाई की गूंज भी सुनाई दे रही हैं। ताजा मामला प्रदेश की राजधानी जयपुर का हैं, जहां पर दूल्हे राजा का 4 हजार का चालान कट गया। बात ये थी कि दूल्हे राजा शादी में बिना मास्क नजर आये।

समस्तीपुर हलचल

सड़क हादसा में अधेड़ की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

समस्तीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के श्रीपुरगाहर पूर्वी पंचायत के इनायत मियां पुल के पास आज करीव डेढ़ बजे अपराह्न में इसी पंचायत के वार्ड नं 03 निवासी शंकर महतो उम्र करीब 52 वर्ष पिता त्रिवेणी महतो का आकस्मिक मौत सड़क दुर्घटना में हो गई। बता दें कि मृतक अपने साईकिल से रोजमर्रा के कार्य करने के लिए जा रहे थे। इसी वीच उक्त स्थल पर अज्ञात चार पहिया वाहन की चपेट में आ गए जिससे वे सड़क पर ही गिर गए और चार पहिया का चक्का मृतक के सिर पर चढ़ गया जिस कारण उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हथौड़ी रोसड़ा मुख्य सड़क को

बांस बल्ला लगाकर जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेवाजी करने लगे। आक्रोशित लोगों ने मृतक के परिवार को सरकारी मुआवजा की राशि,परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी के साथ साथ सड़क के किनारे पुलिस गस्ती की मांग कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही जिलापार्षद स्वर्णिमा सिंह, थानाध्यक्ष विजय शंकर साह, अवर पुलिस पदाधिकारी अर्जुन सिंह,मुकेश कुमार पुलिस बल के साथ जाम स्थल पर पहुँचे एवं लोगों को समझा बुझाकर शांत किया तथा उचित मुआवजा देने का आवश्वासन देकर जाम हटवाया। साथ ही कबीर अंत्येष्टि योजना से मुखिया उषा देवी 3000 रु की मदद की। सनद रहे कि मृतक अपने पीछे पत्नी रधिया देवी, तीन लड़का क्रमशः राजेश महतो,विपिन महतो,धीरज महतो के साथ साथ एक पुत्री गुड़िया कुमारी को छोड़ गए हैं। मौके पर उप सरपंच विनय कुमार झा उर्फ टनटन झा, समाजसेवी फूलबाबू यादव, डॉ लाल बाबू,दिलीप कुमार राम, दीनबंधु राय, अशोक कुमार झा,ए एस आई उमेश यादव आदि उपस्थित थे।

जाम की समस्या के निराकरण के लिए हुई गहन मंथन

समस्तीपुर। समस्तीपुर शहर जाम की समस्या से कराह रहा है। कोई दिन ऐसा नहीं है, जिस दिन शहर में जाम की समस्या से लोग प्रभावित नहीं हो रहे हों। पिछले दिनों एक पत्रकार वार्ता में कई पत्रकारों ने डीएम का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया और जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने इसे गंभीरता से लेते हुए शनिवार को समाहरणालय स्थित सभागार में एक सर्वदलीय बैठक कर इस गंभीर मुद्दे पर एक बैठक का आयोजन किया। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण, नगर परिषद के पार्षद एवं अध्यक्ष, पत्रकारगण, चैंबर ऑफ कॉमर्स

से जुड़े लोग तथा प्रशासनिक अमला से जुड़े लोगों ने इस विकराल समस्या के कारण और निदान पर अपनी महत्वपूर्ण राय रखी। सर्वप्रथम सदर एसडीओ रवीन्द्र कुमार दिवाकर ने जाम के कारणों को गिनाते हुए कहा की मुख्यतः दूकानदारों द्वारा फुटपाथों का अतिक्रमण, ई रिक्शा एवं ऑटो चालकों द्वारा कहीं भी वाहन खड़ा कर दिये जाने, सड़क पर ठेला लगाकर अतिक्रमण जैसी अनेकों ऐसी वजहें बताई, जिससे शहर में जाम की समस्या उत्पन्न होती है। जिला प्रशासन ने एक राय रखी की अगर पटना के लिए आने-जाने वाली बसों को मुसरीघरारी बस पड़ाव पर ही रोक दिया जाये, तो समस्या के निजात में थोड़ी सहूलियत होगी।

रामपुर हलचल

नगर पालिका परिषद, स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग तीनों एक साथ मिलकर कोविड 19 महामारी पर नियंत्रण किये जाने को लगातार तत्पर हैं

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। नगर पालिका परिषद,स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग तीनों एक साथ मिलकर कोविड 19 महामारी पर नियंत्रण किये जाने को लगातार तत्पर हैं नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के अन्दर पूर्ण रूप से सफाई व्यवस्था आदि पर ध्यान देकर महामारी को रोके जाने तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जगह जगह केम्प लगाकर कोरोना संबंधित जांच के कार्य को बखूबी अन्जाम दिया जा रहा है पुलिस द्वारा भी नगर के मुख्य चौराहों पर पुलिस मुस्तेद कर कोरोना से बचाव को लेकर जनता को जागरूक किया जा रहा है जो व्यक्ति मास्क का प्रयोग करते दिखाई दे रहा है उसको मास्क का प्रयोग किये जाने तथा उससे कोरोना बीमारी बचाव के टिप्स देकर समझाया जा रहा है साथ ही यातायात नियमों का भी पालन कराया जा रहा है होने वाली घटनाओं से बचाव को लेकर नियमों को कड़ाई के साथ पालन किये जाने को लेकर जागरूक किया जा रहा है ताकि ऐक्सीडेन्ट से सम्बंधित कोई घटना उत्पन्न न हो सके मास्क वितरण किये जाने के कार्य को लेकर भी खूब अपनी जिम्मेदारियों को निभाया था रहा है नगर के अन्दर समस्त वार्डो में सभासदों के माध्यम से भी मोहल्ले वासियों को कोरोना बीमारी से संबंधित बचाव किये जाने को लेकर अपनी कार्य शैली व जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए सतर्क किया जा रहा है इस मौके पर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां पति मकसूद लाला जी, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, कोतवाल माधो सिंह विष्ट,सभासद फखरूद्दीन,अशरफ पहलवान,मु० निसार,मु० यूसुफ,मु० इकराम, मुनीम, आदि के द्वारा कोविड 19 को लगातार हराये जाने के प्रयास में लगे हुए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नए मां-बाप अक्सर शिशु की देखभाल में करते हैं ये 5 गलतियां

कोई भी काम हो, अगर आप पहली बार करते हैं तो छोटी-मोटी गलतियों की संभावना तो होती ही है। अगर ये काम बच्चों की परवरिश और देखरेख का हो, तो संभावना थोड़ी बढ़ जाती है क्योंकि शिशुओं से संबंधित ऐसी बहुत सी बातें हैं, जिन्हें आप दूसरों से नहीं सीख सकतीं। जब मां पहली बार बच्चे को जन्म देती है, तो ये उसके शरीर के लिए दुनिया का सबसे कष्टकर काम होता है मगर उसके दिल के लिए इससे बड़ी खुशी की बात कोई नहीं हो सकती। नए मां-बाप बच्चों की परवरिश में अक्सर कुछ गलतियां करते हैं। आइये आपको बताते हैं कि वो कौन-कौन सी गलतियां हैं, जिन्हें नए मां-बाप अक्सर करते हैं। ताकि आप ये गलतियां न करें।

हर बात पर परेशान हो जाना

गर्भ में शिशु को कई सुविधाओं और सुरक्षा का एहसास होता है। ऐसे में शिशु को हमारे पर्यावरण में एडजस्ट होने में थोड़ा समय लगता है। इसके अलावा शिशु की पाचन क्षमता, रोग प्रतिरोधक क्षमता और अन्य शारीरिक क्षमताएं पहले से विकसित नहीं होती हैं, बल्कि उनका धीरे-धीरे विकास होता है। इसी कारण से शिशु को अक्सर उल्टी, दस्त, बुखार और छोटी-मोटी परेशानियां होती रहती हैं। नए मां-बाप इन परेशानियों से अक्सर घबरा जाते हैं। हां, ये तो जरूरी है कि शिशु को कोई भी परेशानी होने पर आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए मगर इसके लिए हड़बड़ाहट की जरूरत नहीं है।

शिशु को रोने न देना

माता-पिता के रूप में अक्सर हम सोचते हैं कि हमारा बच्चा कभी भी न रोए। दरअसल वयस्क होने पर हम तभी रोते हैं जब हमारे शरीर में कोई कष्ट होता है या हमें कोई परेशानी होती है। मगर शिशु के मामले में ये बात सही नहीं है। दरअसल रोना शिशु की स्वाभाविक क्रिया है और प्रकृति ने ये व्यवस्था उसके स्वास्थ्य के

लिहाज से की है। दरअसल रोना शिशु का आपसे बात करने का एक तरीका है। इसलिए आपको शिशु के रोने के इशारों को समझना चाहिए और उस पर रोने के लिए गुस्सा नहीं करना चाहिए। हां, अगर शिशु लगातार रो रहा है और किसी परेशानी का इशारा कर रहा है, तब आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

उगलना और उल्टी में अंतर

नए मां-बाप अक्सर उगलना और उल्टी में अंतर नहीं कर पाते और घबरा जाते हैं। दरअसल जो चीज शिशु को पसंद नहीं आती है वो उसे उगल देता है या थूक देता है। मगर उल्टी अलग चीज है। उगलना और उल्टी करने में अंतर है। शिशुओं में उल्टी आमतौर पर कुछ खिलाने के 15 से 45 मिनट के बाद ही होती है जबकि उगलने की क्रिया खिलाने के साथ ही हो सकती है। इसलिए इस अंतर को समझें। किसी रोग की स्थिति में शिशु कुछ खिलाने के साथ ही उल्टी कर सकता है। मगर उसकी बदबू में थोड़ा अंतर होता है इसलिए इसे पहचाना जा सकता है।

बुखार और शरीर की गर्मी में अंतर

नए मां-बाप अक्सर बुखार और शरीर की गर्मी में अंतर नहीं कर पाते हैं और छोटी-छोटी बात पर घबरा जाते हैं। चूंकि ज्यादातर समय किसी की गोद में या मोटे कपड़ों में होता है इसलिए कई बार उसका शरीर आपको गर्म लग सकता है।

खासकर उस समय जब आपका शरीर शिशु के मुकाबले ज्यादा थंडा हो। ऐसे में तुरंत इसे बुखार मानकर शिशु को किसी तरह की दवा देना उसकी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। शिशु के शरीर का तापमान जब 100.4 फॉरेनहाइट से तक या इससे ऊपर हो जाए, तब आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए क्योंकि ये बुखार का लक्षण है।

मुंह का खयाल न रखना

ज्यादातर माता-पिता शिशु के स्वास्थ्य और शरीर का खयाल तो रखते हैं, मगर मुंह की तरफ उनका ध्यान नहीं जाता जबकि शिशु को होने वाले ज्यादातर रोग और संक्रमण मुंह से रास्ते ही शिशु को प्रभावित करते हैं। शिशु के जब दांत आने शुरू हो जाएं तो उसे बिस्तर पर लिटाकर दूध नहीं पिलाना चाहिए। इससे दांतों में कैविटीज हो सकती हैं। बच्चे के मसूढ़ों को साफ करते रहना चाहिए।

क्या आप जानते हैं रोजाना बादाम खाने के ये 7 चमत्कारी फायदे?

बादाम खाना तो हर किसी को पसंद होता है लेकिन क्या आप जानते है रोजाना इसका सेवन आपको कई बीमारियों से दूर रखता है। मिनरल्स, विटामिन और फाइबर से भरपूर 4-5 बादाम का सेवन ब्लड प्रैशर, वजन बढ़ना, ब्लड शुगर और दिल के रोगों का खतरा कम करता है। आप चाहें तो बादाम को दूध के साथ, भिगो कर या रोस्ट करके भी खा सकते हैं। इसे खाने से दिमाग तेज, डायबिटीज कंट्रोल और हड्डियां भी मजबूत होती हैं। आइए जानते हैं रोजाना बादाम खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

1. तनाव

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बादाम का सेवन तनाव दूर करने में मदद करता है। इसे खाने से दिमाग रिलैक्स होता है, जिससे आप तनाव स बचे रहते हैं। इसके आलावा इसका सेवन आपको डिप्रैशन की समस्या से भी बचाता है।

2. ब्लड शुगर कंट्रोल

वसा, प्रोटीन, फाइबर और मैग्नीशियम से भरपूर होने के कारण यह डायबिटीज मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है। रोजाना बादाम का सेवन शरीर में इंसुलिन की मात्रा को कंट्रोल करके ब्लड शुगर नियंत्रित रखता है।

3. दिल के रोग

बादाम का रोजाना सेवन करने से शरीर में अल्फा-1 एचडीएल लेवल बढ़ता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करके दिल के रोगों का खतरा कम करता है। इसलिए रोजाना कम से कम मुट्ठी भर बादाम का सेवन जरूर करें।

4. मजबूत हड्डियां

कच्चे बादाम में फास्फोरस, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे गुण होते हैं, जोकि हड्डियों और दांतों के लिए फायदेमंद होता है। बादाम, दही और ओटमील को ब्लैंड करके रोजाना सेवन करें।

5. वजन कम करना

स्नैक्स के मुकाबले बादाम का सेवन काफी हद तक आपकी भूख को कंट्रोल करता है, जिससे आप ओवरईटिंग नहीं करते। इसलिए वजन कंट्रोल करने के लिए फाइबर, प्रोटीन और वसा से भरपूर बादाम को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

6. स्वस्थ त्वचा

बादाम में मौजूद विटामिन ई त्वचा को पोषण देता है और उसे ड्राई होने से बचाता है। इससे आपकी त्वचा की कई समस्याएं दूर होती है और आपकी त्वचा स्वस्थ रहती है।

7. कब्ज

बादाम में अधिक मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जोकि भोजन पचाने में मदद करता हैं। 4-5 बादाम खाने के बाद 1 गिलास पानी पीएं। इससे आपकी कब्ज की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा इसका सेवन पेट के कैंसर का खतरा भी कम करता है।

गलत तरीके से खाएंगे ये हेल्दी फूड्स तो बढ़ जाएगी एसिडिटी

गलत खान-पान के कारण बहुत से लोग पेट में गैस की समस्या से परेशान रहते हैं। पेट में गैस बनने के कारण जलन, सिरदर्द और खट्टे डकार आने लगते हैं, जिससे आपका कहीं आने-जाने का मन भी नहीं करता। मगर क्या आप जानते है पेट में गैस्टिक किन चीजों से बनती है। आज हम आपको कुछ ऐसे हेल्दी फूड्स के बारे में बताने जा रहे है, जोकि पेट की गैस का कारण बनते है। गलत तरीके से इन हेल्दी फूड्स का सेवन एसिडिटी का कारण बन सकते हैं। अगर आप भी गैस्टिक की समस्या से बचना चाहते है तो आज ही इन चीजों का सेवन छोड़ दें।

इन फूड्स से बनती है पेट में गैस

1. डेयरी उत्पाद

डेयरी उत्पाद में लैक्टोज होता हैं, जोकि पेट में गैस के साथ-साथ कभी-कभार पेट में सूजन की समस्या भी बढ़ा देता है। इसलिए जितना हो सके डेयरी उत्पादों से दूर रहे।

2. प्याज

प्याज में शर्करा जैसे फ्रुक्टोज होते हैं जोकि छोटी आंत में ठीक से अवशोषित नहीं होते और जब यह बड़ी आंत की तरफ जाते हैं, तो पेट में गैस बन जाती है। इसलिए कभी भी कच्चे प्यार का सेवन न करें।

3. तरबूज

गर्मियों में ठंडक के लिए हर कोई बहुत अधिक मात्रा में तरबूज खाना पसंद करता है लेकिन इसमें मौजूद फ्रक्टॉज पेट में गैस के साथ सूजन की समस्या भी बढ़ा देता है। इसलिए तरबूज का सेवन कम से कम मात्रा में कम करें।

4. स्टार्च युक्त आहार

चावल, पास्ता और रोटी जैसे खाद्य पदार्थ खाना तो हर किसी को पसंद होता है। मगर इसमें बहुत अधिक मात्रा में स्टार्च होता है, जोकि आंतों में ठीक से हजम नहीं होता। इसके कारण पेट में गैस बन जाती है।

5. काबोर्नेटेड ड्रिंक्स

गर्मी में बहुत से लोग ठंडी-ठंडी काबोर्नेटेड ड्रिंक्स पीना पसंद करते है लेकिन इसमें पाएं जाने वाला फ्रुक्टोज पेट में गैस बनाते हैं। इसकी बजाए गर्मियों में ठंडक के लिए आप ताजे फलों के जूस भी पी सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वरुण ने बताया कैसे हुई थी सारा से पहली मुलाकात

वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म 'कुली नंबर 1' 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर आ चुका है। फिल्म के वर्चुअल ट्रेलर के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या वह पहले से दोस्त थे या सेट पर ही मिले। इस पर दोनों ने मजेदार जवाब दिए। वरुण ने बताया कि वे पहले से दोस्त नहीं थे। हालांकि वरुण सारा से पहले नहीं मिले थे। वरुण ने बताया कि वह सारा से कब मिले थे। उन्होंने बताया कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की शूटिंग के दौरान सारा उसी बिल्डिंग में थीं। वह लिफ्ट में घुसे ही थे कि सारा आ गई। सारा ने फोन पर बात करना शुरू कर दिया। वरुण इस बात से हैरान थे कि लिफ्ट में उन्हें नेटवर्क कैसे मिल रहा है। वहीं सारा ने खुलासा किया कि वह वरुण की जबरदस्त फैन थीं और अब भी हैं। सारा ने बताया कि जब उन्होंने वरुण को देखा तो जानबूझकर उसी लिफ्ट में जाने का प्लान किया था। दोनों ने बताया कि अब उनकी दोस्ती हो चुकी है।

अनुष्का, किआरा को पीछे छोड़ कृति ने मारी बाजी

प्रभास को लेकर ओम राउत ने फिल्म 'आदिपुरुष' अनाउंस कर दी है जो कि बड़े बजट की फिल्म है। ओम राउत ने इसके पहले 'तान्हाजी : द अनसंग हीरो' नामक फिल्म बनाई थी जो कि 2020 की सबसे कामयाब हिंदी फिल्म रही। आदिपुरुष को रामायण से प्रेरित बताया जा रहा है। प्रभास का किरदार राम से तो सैफ अली खान का किरदार रावण से प्रेरित है। इस बात की घोषणा भी हो चुकी है। अब हीरोइन की बारी। सीता से प्रेरित रोल के लिए कृति सेनॉन को लिए जाने की खबर है। सूत्रों के अनुसार कृति से इस फिल्म के लिए संपर्क किया और इतने बड़े ऑफर को स्वीकारने में उन्होंने देर नहीं लगाई। गौरतलब है कि इस रोल के लिए अनुष्का शेट्टी, अनुष्का शर्मा, किआरा आडवाणी, कीर्ति सुरेश जैसी नायिकाओं के नाम पर विचार किया गया था, आखिरकार कृति ने बाजी मार ली। कृति का करियर इन दिनों जोरदार तरीके से रफ्तार पकड़ रहा है। अक्षय कुमार के साथ 'बच्चन पांडे', राजकुमार राव के साथ 'हम दो हमारे दो', वरुण धवन के साथ 'भेड़िया' जैसी फिल्में वे कर रही हैं। इसके अलावा भी दो और फिल्में उन्होंने साइन कर रखी है।

रणबीर की पड़ोसन बनीं आलिया

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपने रिलेशनशिप की वजह से अक्सर चर्चा में रहते हैं। खबरें थी कि लॉकडाउन के दौरान इस कपल ने साथ में क्वालिटी टाइम भी बिताया था। अब खबर आ रही है कि आलिया ने रणबीर की बिल्डिंग में एक नया अपार्टमेंट खरीद लिया है। खबरों की मानें तो आलिया भट्ट ने बांद्रा के पाली हिल स्थित उसी बिल्डिंग में अपार्टमेंट खरीदा है जिसमें रणबीर कपूर का भी अपार्टमेंट है। आलिया का यह नया अपार्टमेंट 2460 स्क्वेयर फीट का है और इसकी कीमत 32 करोड़ रुपए है। रणबीर कपूर इस बिल्डिंग में सातवी मंजिल पर रहते हैं। वहीं, आलिया ने पांचवी मंजिल पर अपार्टमेंट खरीदा है। आलिया और रणबीर अब एक दूसरे के पड़ोसी भी बन गए हैं। बताया जा रहा है कि फिलहाल आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ रह रही हैं मगर अब वो अपने नए अपार्टमेंट में शिफ्ट होने की तैयारी में लग गई हैं। आलिया का नया घर कपूर फैमिली के कृष्णा राज बंगले के नजदीक ही है। यही नहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक आलिया के नए घर के इंटीरियर डिजाइनिंग का जिम्मा शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान को दिया गया है।